मुंबई, शनिवार, 08 अगस्ता, 2026
मूल्य : 0.00/- । कुल पृष्ठ 04
www.padmavatmedia.in
padmavatmedia@gmail.com
+91-95945-42679
Digital Edition
वर्ष 12 । अंक 275

दैनिक हिन्दी राष्ट्रीय डिजिटल समाचार पत्र

# पदमावत मीडिया™

न रिश्वत लेंगे, न रिश्वत देंगे

Reg. No. MH180326353 | महाराष्ट्र व राजस्थान से प्रकाशित | प्रधान सम्पादक : पवन जैन पदमावत

**अनमोल वचन**

समय और शब्द दोनों बहुत कीमती हैं, इनका उपयोग सोच-समझकर करें।

## खबर संक्षिप्त

### राज्यपाल उदयपुर पहुंचे, आज लेंगे समीक्षा बैठक

**उदयपुर@पदमावत मीडिया।** राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े शुक्रवार शाम उदयपुर पहुंचे। सर्किट हाउस में जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने उनकी अगवानी की। राज्यपाल शनिवार सुबह आरसीए सभागार में आयोजित एग्रीविजन-2026 की द्वितीय क्षेत्रीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इसके बाद दोपहर में जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राज्यपाल शनिवार शाम वायुयान से जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

### राज्यपाल ने जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली

**बांसवाड़ा@पदमावत मीडिया।** राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर टीबी मुक्त भारत, नशा मुक्त भारत अभियान एवं शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने टीबी जागरूकता, दवाइयों की उपलब्धता और मरीजों के नियमित उपचार पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने प्रत्येक गांव को नशामुक्त बनाने के लिए जनजागरूकता अभियान चलाने तथा सरकारी कर्मचारियों से स्वयं नशे से दूर रहकर उदाहरण प्रस्तुत करने का आह्वान किया। उन्होंने प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, शिक्षकों के नियमित प्रशिक्षण और मां बड़ी केंद्रों पर बच्चों को खेल व नवाचार आधारित शिक्षण से जोड़ने पर भी जोर दिया। बैठक से पूर्व उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया।

### जिग-जैग तकनीक नहीं अपनाने पर ईंट-भट्टों पर होगी कार्रवाई

**उदयपुर@पदमावत मीडिया।** राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने उदयपुर एवं सलूंबर जिले के ईंट-भट्टा संचालकों को जिग-जैग तकनीक अपनाने और पर्यावरणीय मानकों की अनिवार्य पालना करने के निर्देश दिए हैं। मंडल ने चेतावनी दी है कि नियमों की अनदेखी करने वाले भट्टों की संचालन सहमति (सीटीओ) निरस्त कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्रीय अधिकारी विनय कट्टा ने बताया कि केंद्र सरकार की अधिसूचना के अनुसार सभी ईंट-भट्टों को जिग-जैग तकनीक में परिवर्तित करना तथा चिमनी पर पोर्ट होल, स्पाइरल लैडर और प्लेटफॉर्म स्थापित करना अनिवार्य है। निर्धारित समय-सीमा समाप्त हो चुकी है, इसलिए सभी संचालकों को तत्काल अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

### 22 अगस्त को होगी खेलो इंडिया अस्मिता सॉफ्ट टेनिस महिला लीग

**उदयपुर@पदमावत मीडिया।** खेल मंत्रालय के तहत 22 अगस्त को महाराणा प्रताप खेलगांव में खेलो इंडिया अस्मिता सॉफ्ट टेनिस महिला लीग का जिला स्तरीय आयोजन होगा। प्रतियोगिता राजस्थान एमेच्योर सॉफ्ट टेनिस संघ एवं खेल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जाएगी। जिला संघ की सचिव भावना बत्रा ने बताया कि प्रतियोगिता अंडर-15, अंडर-18 और सीनियर वर्ग में होगी। प्रत्येक वर्ग की विजेता खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उदयपुर का प्रतिनिधित्व करेंगी। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य है तथा आवेदन की अंतिम तिथि 10 अगस्त निर्धारित की गई है। आयोजकों ने अधिक से अधिक महिला खिलाड़ियों से प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की है।

### रक्षाबंधन पर डाक विभाग की विशेष तैयारी, 1 अगस्त से नई पार्सल दरें लागू

**उदयपुर@पदमावत मीडिया।** भारतीय डाक विभाग, उदयपुर मंडल ने रक्षाबंधन को देखते हुए विशेष तैयारियां की हैं। सभी प्रधान एवं उप डाकघरों में वाटरप्रूफ विशेष राखी लिफाफे और



राखी बॉक्स उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि राखियां और उपहार सुरक्षित व समय पर पहुंच सकें। डाक विभाग ने बताया कि 1 अगस्त से नई पार्सल दरें लागू हो गई हैं। ग्राहकों को स्पीड पोस्ट, ऑनलाइन ट्रैकिंग, प्रूफ ऑफ डिलीवरी (पीओडी) और कैश ऑन डिलीवरी (सीओडी) जैसी सुविधाएं मिलेंगी। रक्षाबंधन से 15 दिन पहले तक अधिकतम पांच राखी लिफाफे बुक कराने पर डाक शुल्क में 10 प्रतिशत की छूट भी दी जाएगी। उदयपुर मंडल में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए विशेष वितरण व्यवस्था की गई है। शहर के 14, बाहरी क्षेत्र के 30 डाकघर और 392 शाखा डाकघरों में राखी बुकिंग की सुविधा उपलब्ध रहेगी। शास्त्री सर्कल स्थित प्रधान डाकघर में बुकिंग का समय सोमवार से शनिवार सुबह 10 से रात 9 बजे तथा रविवार व अवकाश के दिन सुबह 10 से शाम 4 बजे तक रहेगा।

# सलूंबर में विकास कार्यों की समीक्षा करने पहुंचे राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, नशामुक्त समाज और टीबी मुक्त जिले पर दिया विशेष जोर

**जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, जनजातीय विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति पर की विस्तृत समीक्षा**













पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

**सलूंबर।** राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शुक्रवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ विभिन्न जनहितकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने नशामुक्त भारत अभियान, राष्ट्रीय क्षय (टीबी) उन्मूलन कार्यक्रम, शिक्षा, जनजातीय विकास एवं अन्य विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध और प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता ऐसी होनी चाहिए जिससे योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और जिले का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो।

**नशे के खिलाफ जनआंदोलन बनाने का आह्वान**

राज्यपाल ने कहा कि समाज में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति चिंता का विषय है और युवाओं को इसकी गिरफ्त से बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि नशामुक्त भारत अभियान को केवल सरकारी कार्यक्रम न मानते हुए जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाए। इसके लिए प्रशासन, जनप्रतिनिधि, शिक्षक, सामाजिक संगठन, महिला समूह एवं आमजन मिलकर कार्य करें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अभियान की शुरुआत स्वयं सरकारी विभागों से होनी चाहिए तथा अधिकारी एवं कर्मचारी नशामुक्त जीवन का उदाहरण प्रस्तुत करें। विद्यालयों और महाविद्यालयों में नियमित रूप से सांस्कृतिक, खेल एवं नैतिक गतिविधियों का आयोजन कर विद्यार्थियों में सकारात्मक जीवन मूल्यों का विकास किया जाए। बैठक के दौरान राज्यपाल ने नशामुक्ति अभियान के पोस्टर का विमोचन भी किया तथा ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए।

**'टीबी मुक्त सलूंबर' लक्ष्य बनाकर करें कार्य**

राष्ट्रीय क्षय (टीबी) उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए राज्यपाल ने अधिकारियों से 'टीबी मुक्त सलूंबर' का लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि संभावित मरीजों की समय पर पहचान कर उनका उपचार तत्काल शुरू किया जाए तथा ग्राम पंचायत स्तर तक जागरूकता अभियान चलाकर डोर-टू-डोर सर्वे और स्क्रीनिंग को प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने कहा कि टीबी मरीजों को निःशुल्क दवाइयों के साथ निक्षय मित्र योजना के माध्यम से नियमित पोषण किट भी उपलब्ध कराई जाए, ताकि उपचार पूर्ण रूप से सफल हो सके।

**प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने पर दिया जोर**

राज्यपाल ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की मजबूत नींव गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक शिक्षा से ही तैयार होती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्यालयों में केवल परीक्षा परिणामों पर नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की बुनियादी समझ, बौद्धिक क्षमता, व्यक्तित्व विकास और नैतिक मूल्यों के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाए।

उन्होंने शिक्षकों के नियमित प्रशिक्षण, नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों तथा विद्यालयों में रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने के भी निर्देश दिए।

**जनजातीय युवाओं को मिले शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर**

जनजातीय क्षेत्र के विकास की समीक्षा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि जनजातीय युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने आश्रम छात्रावासों, बालिका छात्रावासों एवं जनजातीय विद्यार्थियों के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी लेते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी तथा स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया।

उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक आधारित शिक्षा और प्रभावी शिक्षक प्रशिक्षण के माध्यम से जनजातीय विद्यार्थियों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएं।

**पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश**

समीक्षा बैठक के बाद राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने जिला कलेक्ट्रेट परिसर में हरसिंगार (पारिजात) का पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके साथ ही उन्होंने कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं राजीविका द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन कर विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त की तथा अधिकारियों को जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

# शिक्षा जगत में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए दिवंगत महाराणा अरविन्द सिंह मेवाड़ के नाम समर्पित हुआ प्रतिष्ठित सम्मान

**स्कून्यूज़ मेमोरियल अवॉर्ड्स–2026**

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

**जयपुर।** विश्व के प्रतिष्ठित शैक्षिक आयोजन ग्लोबल एड-फेस्ट 2026 के उद्घाटन अवसर पर आयोजित 'स्कून्यूज़ मेमोरियल अवॉर्ड्स–2026' में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों एवं शिक्षा नेतृत्व से जुड़ी विशिष्ट विभूतियों को सम्मानित किया गया। समारोह में 'महाराणा अरविन्द सिंह मेवाड़ अवॉर्ड फॉर आउटस्टैंडिंग एजुकेशनल लीडरशिप' सहित अनेक प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में इंडिया इन्क्लूजन फाउंडेशन के संस्थापक एवं




एसएपी अकादमी फॉर इंजीनियरिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष फेरोज़ वी.आर. तथा स्कून्यूज़ के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि संतलानी ने देश-विदेश से आए शिक्षाविदों एवं प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए समावेशी, नवाचारपूर्ण और मूल्याधारित शिक्षा की आवश्यकता पर बल दिया।

समारोह के आजीवन संरक्षक डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने अपने संरक्षक संबोधन में कहा कि "शिक्षा केवल ज्ञान का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कार, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का आधार है। शिक्षकों का योगदान ही राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की सबसे सशक्त नींव है।" उन्होंने शिक्षा को समाज और संस्कृति के संरक्षण का सबसे प्रभावी माध्यम बताया। इस अवसर पर डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने दिल्ली पब्लिक स्कूल की अदिति मिश्रा को 'महाराणा अरविन्द सिंह मेवाड़ अवॉर्ड फॉर आउटस्टैंडिंग एजुकेशनल लीडरशिप' से सम्मानित किया। यह प्रतिष्ठित सम्मान दिवंगत महाराणा अरविन्द सिंह मेवाड़ की शिक्षा, जनकल्याण एवं सांस्कृतिक संरक्षण के प्रति आजीवन प्रतिबद्धता को समर्पित है। महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी के रूप में उन्होंने शिक्षा, छात्रवृत्ति, विरासत संरक्षण तथा सामाजिक उत्थान के अनेक आयामों को नई दिशा प्रदान की। उनका विश्वास था कि शिक्षा ही किसी भी सभ्यता की सबसे अमूल्य धरोहर है और यही विचार इस सम्मान की प्रेरणा है।

समारोह में प्रसिद्ध डिज़ाइनर ऋतु बेरी के निर्देशन में प्रस्तुत 'थ्रेड्स ऑफ बिलॉन्गिंग' तथा बाड़मेर-जैसलमेर के लंगा-मांगणियार कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ द्वारा आयोजित 'पैट्रन्स डिनर' के साथ हुआ।

# प्रदेश में एक करोड़ से अधिक नए पात्रों को मिली खाद्य सुरक्षा, उदयपुर में 2.54 लाख लाभार्थी जुड़े

**उदयपुर@पदमावत मीडिया।** राज्य सरकार ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना (एनएफएसए) के तहत प्रदेश में एक करोड़ से अधिक वंचित पात्र व्यक्तियों को खाद्य सुरक्षा से जोड़ा है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने बताया कि उदयपुर जिले में 2 लाख 54 हजार 394 पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ मिला है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में 1 जनवरी से 31 अगस्त 2024 तक 12.95 लाख नए लाभार्थी जोड़े गए। इसके बाद 26 जनवरी 2025 से खाद्य सुरक्षा पोर्टल दोबारा शुरू होने पर 89 लाख से अधिक पात्र व्यक्तियों को एनएफएसए में शामिल किया गया। वर्तमान में प्रदेश में खाद्य सुरक्षा योजना के कुल लाभार्थियों की संख्या 4.37 करोड़ हो गई है।

उदयपुर जिले में गोगुंदा, झाड़ोल, खेरवाड़ा, मावली, उदयपुर शहर, उदयपुर ग्रामीण और वल्लभनगर क्षेत्र के पात्र परिवारों को योजना से जोड़ा गया है। मंत्री ने बताया कि एनएफएसए से जुड़े परिवारों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत निःशुल्क खाद्यान्न के साथ मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना, मुख्यमंत्री आयुष्मान दुर्घटना बीमा योजना तथा मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना जैसी विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी मिल रहा है।

# नासिक में तीन दिवसीय वैराग्य आंदोलन एवं दीक्षा महोत्सव 13 अगस्त से, सीए अशोक लोहडे लेंगे जैन दीक्षा

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

**नासिक।** महाराष्ट्र के नासिक जिले स्थित णमोकार तीर्थ, मालसाने (चांदवड) आगामी 13 से 15 अगस्त तक जैन धर्म के एक ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक महोत्सव का साक्षी बनेगा। तीन दिवसीय वैराग्य आंदोलन एवं दीक्षा महोत्सव के दौरान प्रतिष्ठित चार्टर्ड अकाउंटेंट अशोक लोहडे सांसारिक जीवन, वैभव, प्रतिष्ठा और मोह-माया का त्याग कर जैन संयम जीवन को अपनाएंगे। यह भव्य आयोजन प.पू. प्रज्ञाश्रमण सारस्वताचार्य श्री 108 देवनन्दिजी गुरुदेव के पावन सान्निध्य एवं मंगल आशीर्वाद में सम्पन्न होगा। आयोजन को लेकर देशभर के जैन समाज में विशेष उत्साह है तथा हजारों श्रद्धालुओं के नासिक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

**संयम का मार्ग चुनकर समाज के लिए प्रस्तुत करेंगे प्रेरक उदाहरण**

श्री दिगंबर जैन ग्लोबल महासभा के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष पारस लोहडे ने बताया कि दीक्षार्थी अशोक लोहडे उनके सगे चाचा हैं। उन्होंने कहा कि आज जब अधिकांश लोग भौतिक सुख-सुविधाओं और सांसारिक उपलब्धियों को जीवन का लक्ष्य मान रहे हैं, ऐसे समय में एक सफल चार्टर्ड अकाउंटेंट का सब कुछ त्यागकर संयम और साधना के मार्ग पर अग्रसर होना समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादायी है। यह निर्णय केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि त्याग, तप, आत्मसंयम और आत्मकल्याण की उस महान परंपरा का प्रतीक है, जिसने जैन धर्म को विश्वभर में विशिष्ट पहचान दिलाई है।

उन्होंने कहा कि यह दीक्षा महोत्सव

युवाओं को यह संदेश देगा कि वास्तविक सुख बाहरी वैभव में नहीं, बल्कि आत्मशांति, संयम और आध्यात्मिक साधना में निहित है। ऐसे आयोजन समाज में नैतिक मूल्यों, संस्कारों और धर्म के प्रति आस्था को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं।

**तीन दिनों तक होंगे धार्मिक अनुष्ठान और भव्य आयोजन**

पारस लोहडे ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ 13 अगस्त (बुधवार) को दोपहर 1 बजे गणधरवलय विधान के साथ होगा। रात्रि 8 बजे हल्दी एवं मेहंदी का धार्मिक आयोजन सम्पन्न होगा, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन भाग लेंगे।

14 अगस्त (गुरुवार) को प्रातः 11 बजे दीक्षार्थी की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। धर्मध्वजाओं, मंगल वाद्यों और जयघोषों के बीच निकलने वाली यह शोभायात्रा श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करेगी। इसके उपरांत शुभ मुहूर्त दोपहर 12:55 बजे जैन परंपरा के अनुसार दीक्षा महोत्सव सम्पन्न होगा, जहां अशोक लोहडे संयम जीवन को स्वीकार करेंगे।

15 अगस्त (शुक्रवार) को आचार्यश्री जन्मजयंती समारोह, धार्मिक प्रवचन, मंगल कार्यक्रम एवं अन्य आध्यात्मिक आयोजनों के साथ तीन दिवसीय महोत्सव का समापन होगा।

**देशभर से उमड़ेगा श्रद्धा का सैलाब**

आयोजन में देशभर से जैन संत-साध्वियां, मुनिराज, आर्यिकाएं, समाज के वरिष्ठजन, विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजन को भव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए णमोकार तीर्थ ट्रस्ट परिवार द्वारा आवास, भोजन, पेयजल, चिकित्सा, यातायात एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

**धर्म, त्याग और आत्मकल्याण का बनेगा महापर्व**

पारस लोहडे ने कहा कि जैन परंपरा में दीक्षा केवल सांसारिक जीवन का त्याग नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि, संयम, तप, साधना और मोक्षमार्ग की ओर बढ़ाया गया सर्वोच्च कदम है। वैराग्य आंदोलन एवं दीक्षा महोत्सव जैसे आयोजन समाज में धर्म, अहिंसा, आत्मानुशासन और आध्यात्मिक चेतना को सुदृढ़ करने का कार्य करते हैं। वर्तमान समय में ऐसे आयोजन युवा पीढ़ी को जीवन के वास्तविक उद्देश्य से जोड़ने और भारतीय आध्यात्मिक संस्कृति के प्रति आस्था जागृत करने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहे हैं।

पारस लोहडे ने जैन समाज सहित सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में णमोकार तीर्थ, मालसाने (चांदवड), नासिक पहुंचकर इस ऐतिहासिक आध्यात्मिक आयोजन के साक्षी बनने तथा दीक्षार्थी अशोक लोहडे के संयम पथ की मंगल यात्रा में सहभागी बनने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह तीन दिवसीय महोत्सव समाज में धर्म, संस्कार, त्याग और आत्मकल्याण की भावना को नई दिशा देने वाला ऐतिहासिक आयोजन सिद्ध होगा।

## खबर संक्षिप्त

### फ्लैगशिप योजनाओं व बजट घोषणाओं की समीक्षा, समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश

**भीलवाड़ा@पदमावत मीडिया।** जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं एवं बजट घोषणाओं की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक पात्र लोगों को लाभान्वित किया जाए। बैठक में वर्ष 2024-25, 2025-26 एवं 2026-27 की बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिला कलेक्टर ने सभी विकास कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बजट 2026-27 के स्वीकृत कार्यों को प्राथमिकता देने, नियमित मॉनिटरिंग करने तथा विभागों के बीच समन्वय बनाकर कार्यों में अनावश्यक विलंब नहीं होने पर जोर दिया।

### 9 अगस्त से शुरू होगा 'हर घर तिरंगा' अभियान

**जयपुर@पदमावत मीडिया।** स्वतंत्रता दिवस की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में जिलेभर में 9 अगस्त से 'हर घर तिरंगा' अभियान-2026 की शुरुआत होगी। अभियान के प्रथम दिन ग्राम एवं वार्ड स्तर पर जनजागरूकता कार्यक्रमों के साथ तिरंगा रैलियां निकाली जाएंगी और राष्ट्रध्वज के सम्मान का संदेश दिया जाएगा।

जिला कलेक्टर संदेश नायक ने अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी कार्यक्रमों में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रध्वज के सम्मान से जोड़ना और देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है।

अभियान के तहत 9 अगस्त को तिरंगा रैली, शपथ ग्रहण, जनजागरूकता गतिविधियां तथा सार्वजनिक स्थलों पर भजन और देशभक्ति कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिला कलेक्टर ने जिलेवासियों से अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराकर अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की।

### 899 करोड़ के बैंक धोखाधड़ी मामले में ईडी की चार्जशीट दाखिल

**बेंगलुरु@पदमावत मीडिया।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दीपक केबल (इंडिया) लिमिटेड (डीसीआईएल) से जुड़े 899 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी और धनशोधन मामले में विशेष अदालत में चार्जशीट दाखिल की है। मामले में कंपनी सहित 11 आरोपियों को नामजद किया गया है। ईडी के अनुसार जांच में डीसीआईएल के तत्कालीन प्रबंध निदेशक के. वेंकटेश्वर राव एवं अन्य निदेशकों पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बैंकों से ऋण लेकर एसबीआई को 899.35 करोड़ रुपये तथा एक अन्य मामले में पीएनबी को 147.93 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने का आरोप है। जांच में फर्जी खरीद-बिक्री के जरिए धन का दुरुपयोग कर संपत्तियां खरीदने और निवेश करने की बात भी सामने आई है। ईडी ने बताया कि मामले में के. वेंकटेश्वर राव को जून 2026 में गिरफ्तार किया गया था और आरोपियों से जुड़ी करीब 51.28 करोड़ रुपये की संपत्तियां कुर्क की जा चुकी हैं। मामले की जांच जारी है।

### राजस्थान वित्त निगम के शिविर में 9.70 करोड़ के ऋण आवेदन

**उदयपुर@पदमावत मीडिया।** राजस्थान वित्त निगम की उदयपुर शाखा द्वारा उदयपुर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री में आयोजित मेगा औद्योगिक प्रोत्साहन शिविर में उद्यमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर के दौरान विभिन्न उद्यमियों से कुल 9 करोड़ 70 लाख रुपये के ऋण आवेदन प्राप्त हुए। कार्यकारी निदेशक (आईएएस) डॉ. हर सहाय मीणा ने कहा कि राजस्थान वित्त निगम उद्योग, होटल, गेस्ट हाउस, अस्पताल सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिए ऋण उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने बताया कि युवा उद्यमिता प्रोत्साहन योजना के तहत पात्र उद्यमियों को 5.50 प्रतिशत प्रभावी ब्याज दर पर 2 करोड़ रुपये तक का ऋण दिया जा रहा है। उन्होंने उद्यमियों से निगम की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।.शाखा प्रबंधक मनोज कुमार तोंदवाल ने बताया कि शिविर में बड़ी संख्या में उद्यमियों ने ऋण योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर आवेदन किए। कार्यक्रम में निगम के महाप्रबंधक पंकज पुरोहित, उपमहाप्रबंधक रविंद्र, यूसीसीआई अध्यक्ष संदीप बापना, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अंशुल मोगरा, उपाध्यक्ष कपिल सुराणा सहित विभिन्न औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं उद्यमी उपस्थित रहे।

### नाथद्वारा–देवगढ़ रेल लाइन पर गति परीक्षण, ट्रैक से दूर रहने की अपील

**राजसमंद@पदमावत मीडिया।** उत्तर पश्चिम रेलवे नाथद्वारा–देवगढ़ नई रेल लाइन पर विशेष ट्रेन से करीब 120 किमी प्रतिघंटा या उससे अधिक गति से परीक्षण करेगा। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने आमजन से परीक्षण अवधि के दौरान रेल लाइन और उसके आसपास नहीं जाने तथा सभी सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है। रेलवे ने बताया कि गति परीक्षण के दौरान ट्रैक या उसके आसपास अनधिकृत आवागमन दुर्घटना का कारण बन सकता है। प्रशासन ने लोगों से बच्चों, पशुपालकों और ग्रामीणों को भी रेल लाइन से दूर रखने तथा इस सूचना का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने का आग्रह किया है।

# ई-कॉमर्सः छोटे व्यापारियों और कारीगरों के लिए नवोन्मेषी अवसर

## ई-कॉमर्स से जुड़ेंः छोटे दुकानदार और कारीगर कैसे ऑनलाइन बाज़ार में अपनी जगह बना सकते हैं

- नितेश गुप्ता (ई-कॉमर्स विशेषज्ञ)

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

वर्तमान डिजिटल युग में ई-कॉमर्स ने व्यापार के स्वरूप को अभूतपूर्व रूप से परिवर्तित कर दिया है। परंपरागत रूप से सीमित बाज़ारों तक बँधे छोटे व्यापारी एवं कारीगर अब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों तक भी अपनी पहुँच स्थापित कर सकते हैं। यह परिवर्तन न केवल उनके व्यावसायिक विकास को गति देता है, बल्कि देश की समग्र आर्थिक प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। ऐसे समय में जब डिजिटल अर्थव्यवस्था तेजी से विस्तार कर रही है, छोटे व्यापारियों और स्थानीय कारीगरों के लिए ई-कॉमर्स केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि भविष्य की सफलता का सशक्त माध्यम बन चुका है।

**आंकड़े बताते हैं बदलती तस्वीर**

भारत का ई-कॉमर्स क्षेत्र जिस तेज़ी से आगे बढ़ रहा है, वह इस क्षेत्र की अपार संभावनाओं को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज़ की एक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2030 तक भारत का ई-कॉमर्स बाज़ार लगभग 214 बिलियन डॉलर तक पहुँच सकता है। वर्ष 2026 तक नई ई-कॉमर्स मांग का 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा टियर-2 और टियर-3 शहरों से आने का अनुमान है।

वित्त वर्ष 2026 में डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर (D2C) ब्रांड्स के कुल नए ऑर्डर्स में लगभग 66 प्रतिशत हिस्सेदारी छोटे शहरों के खरीदारों की रही, जबकि कुल वृद्धिशील कारोबार मूल्य (GMV) का करीब 60 प्रतिशत हिस्सा भी इन्हीं क्षेत्रों से आया।

एक शोध रिपोर्ट के अनुसार, भारत का ई-कॉमर्स इकोसिस्टम मौजूदा लगभग 90 अरब डॉलर से बढ़कर वर्ष 2030 तक कई गुना विस्तार करने की दिशा में अग्रसर है। अनुमान है कि छोटे शहरों और कस्बों से लगभग छह करोड़ नए ग्राहक पहली बार ऑनलाइन खरीदारी से जुड़ेंगे।

ये सभी आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि आने वाले समय में ई-कॉमर्स की वास्तविक शक्ति महानगरों में नहीं, बल्कि छोटे शहरों और कस्बों में दिखाई देगी। यही वह क्षेत्र है, जहाँ स्थानीय व्यापारी और कारीगर अपनी पहचान बनाकर बड़े बाज़ार का हिस्सा बन सकते हैं।

**डिजिटल उपस्थिति अब समय की आवश्यकता**

आज किसी भी छोटे व्यापारी या कारीगर के लिए डिजिटल पहचान बनाना अत्यंत आवश्यक हो गया है। अपनी वेबसाइट, सोशल मीडिया पेज अथवा डिजिटल प्रोफाइल के माध्यम से वे अपने उत्पादों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचा सकते हैं।

इसके साथ ही अमेज़न, फ्लिपकार्ट और Etsy जैसे प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर विक्रेता के रूप में पंजीकरण कर वे बिना बड़े निवेश के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों तक पहुँच बना सकते हैं। इन प्लेटफॉर्मों के माध्यम से लॉजिस्टिक्स, भुगतान और ग्राहक सेवा जैसी जटिल प्रक्रियाएँ भी अपेक्षाकृत सरल हो जाती हैं, जिससे व्यापारी अपने उत्पादों की गुणवत्ता और व्यवसाय के विस्तार पर अधिक ध्यान दे सकते हैं।

**डिजिटल भुगतान और विपणन की बढ़ती भूमिका**

डिजिटल भुगतान प्रणाली ने व्यापार को पहले की तुलना में कहीं अधिक सरल, सुरक्षित और पारदर्शी बना दिया है। यूपीआई, मोबाइल वॉलेट तथा अन्य डिजिटल भुगतान माध्यमों ने ग्राहकों और व्यापारियों दोनों के लिए लेन-देन को आसान बनाया है।

वहीं सोशल मीडिया विज्ञापन, ई-मेल मार्केटिंग तथा सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (SEO) जैसी डिजिटल विपणन तकनीकों का प्रभावी उपयोग उत्पादों की दृश्यता बढ़ाने और बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि करने में सहायक सिद्ध हो रहा है। डिजिटल माध्यमों के कारण अब छोटे व्यापारी भी सीमित संसाधनों में बड़े स्तर पर अपने उत्पादों का प्रचार-प्रसार कर पा रहे हैं।

**लॉजिस्टिक्स और ग्राहक विश्वास सफलता की कुंजी**

ई-कॉमर्स की सफलता केवल उत्पाद बेचने तक सीमित नहीं है, बल्कि समय पर और सुरक्षित डिलीवरी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। विश्वसनीय लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के साथ जुड़कर छोटे व्यापारी अपने ग्राहकों का विश्वास मजबूत कर सकते हैं।

इसके साथ ही उत्कृष्ट ग्राहक सेवा, सकारात्मक समीक्षाओं का उचित प्रबंधन और ग्राहकों की समस्याओं का त्वरित समाधान ऑनलाइन प्रतिष्ठा को मजबूत बनाता है। यही विश्वास भविष्य में स्थायी ग्राहकों और निरंतर व्यापार वृद्धि का आधार बनता है।

**हस्तशिल्प और सांस्कृतिक विरासत को मिल रही नई पहचान**

ई-कॉमर्स स्थानीय हस्तशिल्प, पारंपरिक कला और सांस्कृतिक उत्पादों को वैश्विक मंच उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम बन चुका है। पहले जो कारीगर केवल स्थानीय मेलों और प्रदर्शनियों तक सीमित थे, आज वे अपने उत्पाद देश-विदेश के ग्राहकों तक पहुँचा रहे हैं।

इससे न केवल उनकी आय में वृद्धि हो रही है, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी नई पहचान मिल रही है। स्थानीय कला और पारंपरिक उत्पादों का संरक्षण तथा उनका वैश्विक प्रचार-प्रसार ई-कॉमर्स की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बनकर उभरा है।

**सरकारी योजनाएँ भी बन रही हैं सहयोगी**

डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी सरकारी पहलें छोटे व्यापारियों और कारीगरों को तकनीकी प्रशिक्षण, डिजिटल संसाधन, वित्तीय सहायता तथा आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध करा रही हैं। इन योजनाओं का समुचित लाभ उठाकर छोटे व्यापारी अपने व्यवसाय को आधुनिक स्वरूप प्रदान कर सकते हैं तथा प्रतिस्पर्धी बाज़ार में अपनी मजबूत पहचान बना सकते हैं।

**भविष्य की संभावनाएँ और नए अवसर**

आने वाले वर्षों में ई-कॉमर्स का विस्तार और भी व्यापक होने की संभावना है।

छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों से ई-कॉमर्स की सबसे अधिक वृद्धि होने की उम्मीद है।

क्विक कॉमर्स का विस्तार अब छोटे शहरों तक भी तेजी से हो रहा है।

ओएनडीसी जैसे खुले डिजिटल नेटवर्क छोटे विक्रेताओं को कम लागत में सीधे ग्राहकों तक पहुँचने का अवसर प्रदान कर रहे हैं।

लाइव कॉमर्स विशेष रूप से युवा ग्राहकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आधारित पर्सनलाइजेशन के माध्यम से छोटे विक्रेता भी ग्राहकों की पसंद के अनुरूप बेहतर सेवाएँ उपलब्ध करा सकेंगे।

ये सभी परिवर्तन इस बात का संकेत हैं कि भविष्य का व्यापार डिजिटल होगा और जो व्यापारी समय रहते इस बदलाव को अपनाएंगे, वही सबसे अधिक लाभ प्राप्त करेंगे।

**निष्कर्ष**

स्पष्ट है कि ई-कॉमर्स छोटे व्यापारियों एवं कारीगरों के लिए नए अवसरों के द्वार खोल रहा है। उपयुक्त रणनीतियों, डिजिटल तकनीकों और उपलब्ध सरकारी सहयोग का प्रभावी उपयोग कर वे अपने व्यवसाय को स्थानीय सीमाओं से निकालकर राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर तक पहुँचा सकते हैं। आवश्यकता केवल इस बात की है कि वे समय की माँग को समझें, डिजिटल परिवर्तन को अपनाएँ और बदलते व्यापारिक परिवेश के साथ स्वयं को तैयार करें। यही कदम उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ देश की उभरती डिजिटल अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण भागीदार भी बनाएगा।

**लेखक ई-कॉमर्स क्षेत्र के विशेषज्ञ हैं।**

### निस्वार्थ दान से ही मिलता है पुण्य : साध्वी मंजुल ज्योति म.सा.

**उदयपुर@पदमावत मीडिया।** श्री वर्धमान पुष्कर गुरु ध्यान केंद्र, दूधिया गणेश में चातुर्मास प्रवचन के दौरान महासती साध्वीश्री मंजुल ज्योति म.सा. ने कहा कि द्वेष, अहंकार और मान-सम्मान की भावना से किया गया दान पुण्यदायी नहीं होता। उन्होंने निस्वार्थ भाव से दान और सेवा करने का संदेश देते हुए कहा कि नकारात्मक भावनाएं व्यक्ति को वास्तविक सुख से दूर कर देती हैं। प्रवचन के बाद भगवान पारसनाथ की साधना एवं माता पद्मावती की विशेष आराधना आयोजित हुई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। तप रत्नेश्वरी साध्वी वसुधा म.सा. ने दान की महिमा बताते हुए सेवा और सद्भाव का संदेश दिया। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के संगमनेर से आए श्रीसंघ का अभिनंदन किया गया। महिला मंडल ने भक्तिमय गीत प्रस्तुत किए तथा विभिन्न श्रद्धालुओं ने अपने विचार व्यक्त किए। अंत में साध्वीश्री मंजुल ज्योति म.सा. ने श्रावक-श्राविकाओं को मक्खन का उपयोग नहीं करने और भोजन में झूठा नहीं डालने का नियम दिलाया। कार्यक्रम में महाराष्ट्र सहित विभिन्न क्षेत्रों से 400 से अधिक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

### अस्थायी अतिक्रमण पर निगम की सख्त कार्रवाई, 5 कैंटर सामान जब्त

**जयपुर@पदमावत मीडिया।** नगर निगम जयपुर की सतर्कता शाखा ने शुक्रवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर अस्थायी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। अभियान के दौरान 5 कैंटर सामान जब्त किया गया तथा अतिक्रमणकारियों से 3 हजार रुपये कैरिंग चार्ज वसूला गया।

नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा के निर्देश पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में एसएमएस ट्रोमा सेंटर, सरावली मेंशन, जेके लोन अस्पताल, केलगिरी रोड मालवीय नगर, हंस मार्ग, त्रिवेणी पुलिया, एचसीजी अस्पताल के सामने वीटी रोड और पटेल मार्ग मानसरोवर सहित विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान सड़क और सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अस्थायी अतिक्रमण हटाकर जब्त सामान निगम के गोदाम में भिजवाया गया।

नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि कार्रवाई के दौरान अतिक्रमणकारियों को मौके पर ही समझाइश देकर भविष्य में सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण नहीं करने की चेतावनी दी गई। साथ ही स्पष्ट किया गया कि दोबारा अतिक्रमण पाए जाने पर नियमानुसार भारी जुर्माना लगाने के साथ अन्य सख्त कार्रवाई भी की जाएगी। नगर निगम ने आमजन से भी सार्वजनिक मार्गों और स्थलों को अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है।

### यूजीसी रोलबैक की मांग को लेकर 23 अगस्त को दिल्ली में सवर्ण आक्रोश महापंचायत

**उदयपुर@पदमावत मीडिया।** क्षत्रिय करणी सेना के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राज शेखावत ने यूजीसी रेगुलेशन-2026 में संशोधन की मांग को लेकर 23 अगस्त को नई दिल्ली के शाह ऑडिटोरियम में सवर्ण आक्रोश महापंचायत आयोजित करने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि इसके लिए 5 अगस्त से राजस्थान, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तरप्रदेश और दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों में जनजागरण एवं आमंत्रण यात्रा निकाली जा रही है, जो 23 अगस्त को दिल्ली पहुंचकर संपन्न होगी।

उदयपुर में आयोजित प्रेस वार्ता में डॉ. शेखावत ने कहा कि यात्रा के दौरान विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षाविदों एवं सामाजिक संगठनों से संवाद कर यूजीसी रेगुलेशन-2026 से जुड़े मुद्दों पर जनजागरण किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान रेगुलेशन में कई विसंगतियां हैं, जिन पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने समाज के लोगों से महापंचायत में बड़ी संख्या में शामिल होने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि संगठन शिक्षा व्यवस्था में समानता, निष्पक्षता और प्राकृतिक न्याय की मांग कर रहा है तथा किसी भी वर्ग के अधिकारों के विरोध में नहीं है। साथ ही आगामी चुनावों को लेकर अखंड करणी सेना के गठन की जानकारी देते हुए कहा कि संगठन राजनीतिक स्तर पर भी अपनी भूमिका निभाएगा। प्रेस वार्ता के बाद आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में आगामी आंदोलन की रणनीति पर चर्चा की गई। इस दौरान संगठन के विभिन्न पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# पश्चिमी क्षेत्रीय पुलिस समन्वय समिति की बैठक में शामिल हुए डीजीपी राजीव कुमार शर्मा, अंतरराज्यीय अपराध नियंत्रण पर बनी साझा रणनीति

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

**जयपुर।** मध्यप्रदेश के इंदौर स्थित ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 13वीं पश्चिमी क्षेत्रीय पुलिस समन्वय समिति की बैठक में राजस्थान के पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने भाग लिया। बैठक में पश्चिमी क्षेत्र के विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने अंतरराज्यीय अपराध नियंत्रण, साइबर अपराध की रोकथाम, कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने तथा आधुनिक तकनीक आधारित पुलिसिंग को सुदृढ़ करने सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में मध्यप्रदेश के पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना, गोवा के पुलिस महानिदेशक आलोक कुमार सहित विभिन्न राज्यों के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, पुलिस महानिरीक्षक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी ऑफलाइन और ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। सभी अधिकारियों ने राज्यों के बीच बेहतर समन्वय, सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान और संयुक्त कार्रवाई को भविष्य की बड़ी आवश्यकता बताया। राजस्थान पुलिस की ओर से पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के साथ अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (कानून एवं व्यवस्था) वी.के. सिंह, पुलिस महानिरीक्षक के.बी. वंदना तथा चित्तौड़गढ़ पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने बैठक में सहभागिता की। राजीव कुमार शर्मा ने बैठक के दौरान राजस्थान पुलिस द्वारा साइबर अपराध नियंत्रण, तकनीक आधारित पुलिसिंग, कानून-व्यवस्था प्रबंधन, अपराध नियंत्रण तथा अंतरराज्यीय समन्वय के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों एवं प्रभावी कार्यों की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ राज्यों के बीच अनुभवों का आदान-प्रदान और आधुनिक तकनीकों का समन्वित उपयोग भविष्य की चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बैठक के दौरान विभिन्न वरिष्ठ अधिकारियों ने समसामयिक विषयों पर विस्तृत प्रस्तुतियां दीं। इनमें बड़े धार्मिक आयोजनों के दौरान सुरक्षा प्रबंधन, गुमशुदा बच्चों की खोज के नवाचार, साइबर अपराधों के पीछे सक्रिय नेटवर्क एवं तकनीकी ढांचे को ध्वस्त करने की रणनीति, आपराधिक न्याय प्रणाली में आधुनिक डिजिटल तकनीकों के उपयोग तथा मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण जैसे विषय प्रमुख रहे। प्रत्येक प्रस्तुति के बाद विभिन्न राज्यों के पुलिस अधिकारियों ने अपने-अपने अनुभव साझा करते हुए बेहतर कार्यप्रणालियों और समन्वित रणनीतियों पर सुझाव दिए। बैठक में संगठित अपराध, साइबर अपराध, मादक पदार्थ तस्करी तथा अन्य अंतरराज्यीय अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए राज्यों के बीच खुफिया सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान, संयुक्त अभियान चलाने तथा आधुनिक तकनीकों के अधिकतम उपयोग पर विशेष बल दिया गया। साथ ही विभिन्न राज्यों में अपनाई जा रही सफल कार्यप्रणालियों को साझा कर उन्हें अन्य राज्यों में भी लागू करने पर सहमति बनी। बैठक के समापन सत्र में प्रतिभागी राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों ने पश्चिमी क्षेत्र में पुलिस समन्वय को और अधिक प्रभावी बनाने, साझा कार्ययोजना तैयार करने तथा आगामी समन्वय समिति की बैठक के आयोजन सहित विभिन्न समसामयिक विषयों पर भी विस्तार से मंथन किया। वरिष्ठ अधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि राज्यों के बीच बेहतर समन्वय, तकनीकी सहयोग और संयुक्त रणनीति से संगठित एवं अंतरराज्यीय अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में महत्वपूर्ण सफलता मिलेगी।

## खबर संक्षिप्त

### 5 हजार रुपये का इनामी आरोपी गिरफ्तार

**उदयपुर@पदमावत मीडिया।** उदयपुर जिले के सूरजपोल थाना पुलिस ने विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए 5 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड (पीसी रिमांड) प्राप्त किया गया है। मामले में अग्रिम अनुसंधान जारी है।

जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) उमेश ओझा तथा वृत्ताधिकारी छवि शर्मा के सुपरविजन में सूरजपोल थानाधिकारी सूर्यभान सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए रघुनाथ पुत्र हीराराम, निवासी खुडाला, थाना फालना, जिला पाली को गिरफ्तार किया। आरोपी पर 5 हजार रुपये का इनाम घोषित था। गिरफ्तार आरोपीः रघुनाथ पुत्र हीराराम, निवासी खुडाला, थाना फालना, जिला पाली। इस कार्रवाई में थानाधिकारी सूर्यभान सिंह, उप निरीक्षक चन्द्रभान सिंह एवं शरीफ खान, कांस्टेबल प्रह्लाद (विशेष भूमिका) तथा करण सिंह शामिल रहे।

### पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत 3 मामलों में 8 लाख रुपये की सहायता स्वीकृत

**उदयपुर@पदमावत मीडिया।** जिला एवं सेशन न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत तीन मामलों का निस्तारण करते हुए कुल 8 लाख रुपये की प्रतिकर राशि स्वीकृत की गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव राहुल चौधरी ने बताया कि स्वीकृत राशि लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा कराने तथा नियमानुसार एफडीआर कराने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि बलात्कार, हत्या एवं पॉक्सो जैसे गंभीर अपराधों के पीड़ितों एवं उनके आश्रितों को योजना के तहत आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

### स्वतंत्रता दिवस तैयारियों की समीक्षा बैठक 10 अगस्त को

**उदयपुर@पदमावत मीडिया।** जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह-2026 की तैयारियों की समीक्षा बैठक 10 अगस्त को शाम 4 बजे जिला कलेक्ट्रेट के मिनी सभागार में आयोजित होगी। अतिरिक्त जिला कलेक्टर (शहर) जितेंद्र ओझा ने संबंधित अधिकारियों को अब तक की प्रगति रिपोर्ट के साथ बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

### अरावली संरक्षण पर 10 अगस्त को सार्वजनिक परामर्श

**उदयपुर@पदमावत मीडिया।** सर्वोच्च न्यायालय की उच्च स्तरीय समिति 10 अगस्त को दोपहर 3 बजे जिला परिषद सभागार में अरावली संरक्षण से जुड़े विषयों पर सार्वजनिक परामर्श करेगी। इसमें जनप्रतिनिधि, पर्यावरणविद्, शिक्षाविद्, खनिज पट्टाधारक, उद्योग संगठनों सहित विभिन्न हितधारकों से सुझाव लिए जाएंगे, जिन्हें समिति अपनी अनुशंसाओं में शामिल करने पर विचार करेगी।

### वृक्षम अमृतम सेवा संस्थान ने बांटे पौधे, संरक्षण का दिलाया संकल्प

**उदयपुर@पदमावत मीडिया।** वृक्षम अमृतम सेवा संस्थान ने पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पर्यावरण प्रेमियों और नागरिकों ने पौधे प्राप्त कर अधिक से अधिक वृक्ष लगाने एवं उनके संरक्षण का संकल्प लिया। मीडिया प्रभारी नरेश पूर्बिया ने बताया कि पौधारोपण के साथ उनकी नियमित देखभाल भी आवश्यक है। कार्यक्रम में संस्थान के अध्यक्ष डॉ. गोपेश शर्मा, उपाध्यक्ष अनिल पारिख, सचिव यशवंत त्रिवेदी सहित अन्य पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

# तारक मेहता का उल्टा चश्मा के निर्माता आसित कुमार मोदी होंगे 'कला जगत के मेन ऑफ द मिलेनियम' सम्मान से सम्मानित : हार्दिक हुंडिया

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

**मुंबई।** देश-विदेश में भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों और सकारात्मक सोच का संदेश देने वाले लोकप्रिय धारावाहिक 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के निर्माता आसित कुमार मोदी को 'कला जगत के मेन ऑफ द मिलेनियम' सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। इसकी घोषणा 'स्टार रिपोर्ट' के प्रधान संपादक हार्दिक हुंडिया ने मुंबई में की। हार्दिक हुंडिया ने कहा कि यह सम्मान किसी लोकप्रियता के आधार पर नहीं, बल्कि समाज को वर्षों से सकारात्मक दिशा देने, पारिवारिक संस्कारों को जीवंत रखने और मनोरंजन के साथ सामाजिक संदेश देने के अद्वितीय योगदान के लिए प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इतने कम समय में सम्मान की घोषणा इसलिए की गई क्योंकि इस प्रकार का संस्कारप्रधान धारावाहिक भारतीय टेलीविजन के इतिहास में विरल है।

**मनोरंजन के साथ समाज को दिए सकारात्मक संस्कार**

हार्दिक हुंडिया ने कहा कि जब 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की शुरुआत हुई थी, तब किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि नए कलाकारों, अलग विषय-वस्तु और सामाजिक संदेशों पर आधारित यह धारावाहिक लगातार 18 वर्षों तक दर्शकों के दिलों पर राज करेगा। आज यह कार्यक्रम केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीय परिवारों का अभिन्न हिस्सा बन चुका है।

उन्होंने कहा कि इस धारावाहिक ने हास्य के माध्यम से सामाजिक बुराइयों पर प्रहार करते हुए हर समस्या का सकारात्मक समाधान प्रस्तुत किया है। यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है।

**हर आयु वर्ग का पसंदीदा बना धारावाहिक**

हार्दिक हुंडिया ने कहा कि पाँच वर्ष के

बच्चे से लेकर 85 वर्ष तक के बुजुर्गों में इस धारावाहिक के पात्र समान रूप से लोकप्रिय हैं। जेठालाल, दयाबेन, चंपकलाल, तारक मेहता, अंजली, भिड़े, माधवी, पोपटलाल, सोढ़ी, रोशन, अब्दुल और टप्पू सेना जैसे पात्र आज घर-घर में पहचाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि गोकुलधाम सोसायटी के माध्यम से प्रेम, भाईचारा, एकता, सामाजिक समरसता, पारिवारिक संस्कार और एक-दूसरे की सहायता की भावना को जिस सहजता से प्रस्तुत किया गया है, वह भारतीय टेलीविजन के इतिहास में एक मिसाल है।

**विविधता में एकता का जीवंत उदाहरण**

हार्दिक हुंडिया ने कहा कि इस धारावाहिक में गुजराती, मराठी, पंजाबी, दक्षिण भारतीय, बंगाली, मुस्लिम और पत्रकार सहित विभिन्न समाजों एवं संस्कृतियों के पात्रों को समान सम्मान और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत किया गया है। हास्य के साथ ज्ञान, संस्कार और सामाजिक समरसता का संदेश देना वास्तव में आसित कुमार मोदी की रचनात्मक सोच और दूरदृष्टि का परिचायक है।

**समाज को आईना दिखाने का किया कार्य**

उन्होंने कहा कि पिछले 18 वर्षों में धारावाहिक ने समाज में घटित अनेक घटनाओं और समस्याओं को भी विषय बनाया, लेकिन केवल समस्याएं दिखाने तक सीमित नहीं रहा। प्रत्येक विषय के साथ उसका सकारात्मक समाधान भी प्रस्तुत किया गया, जिससे दर्शकों को मनोरंजन के साथ प्रेरणा और सीख भी मिली।

**पहले भी दे चुके हैं प्रतिष्ठित सम्मान**

हार्दिक हुंडिया ने बताया कि फिल्म जगत में अमिताभ बच्चन को 'मेन ऑफ द मिलेनियम' का सम्मान मिला है। इसी प्रकार हीरा उद्योग में उनके द्वारा प्रकाशित समाचार पत्र 'हीरा माणेक' के माध्यम से उद्योगपति भरत शाह को 'मेन ऑफ द मिलेनियम' सम्मान प्रदान किया जा चुका है। उस सम्मान समारोह में केंद्रीय मंत्री सुंदरलाल पटवा, लता मंगेशकर, गोविंदा, जैकी श्रॉफ, अमरीश पुरी सहित अनेक प्रतिष्ठित हस्तियां उपस्थित थीं।

**जल्द आयोजित होगा सम्मान समारोह**

हार्दिक हुंडिया ने कहा कि 'स्टार में शान, रिपोर्ट में जान' की सोच के साथ प्रकाशित होने वाली स्टार रिपोर्ट मैगजीन द्वारा शीघ्र ही एक विशेष समारोह आयोजित कर 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के निर्माता आसित कुमार मोदी को 'कला जगत के मेन ऑफ द मिलेनियम' सम्मान से अलंकृत किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मनोरंजन के साथ संस्कार, सकारात्मक सोच और सामाजिक चेतना का संदेश देने में आसित कुमार मोदी का योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बना रहेगा।

# अहंकार से नहीं, भक्ति और विवेक से जीते जा सकते हैं मन : प्रशांत अग्रवाल

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

**उदयपुर।** नारायण सेवा संस्थान में सावन मास के अवसर पर आयोजित शिव कथा में भगवान शिव की भक्ति, समर्पण और अहंकार से मुक्ति का संदेश दिया गया। कथा में संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने महादेव के अनन्य भक्त रावण का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि रावण ने शिव की कठोर आराधना से अपार ऐश्वर्य और कीर्ति अर्जित की, लेकिन उसके भीतर का अहंकार अंततः उसके पतन का कारण बना। अग्रवाल ने कहा कि एक बार रावण भगवान शिव की भक्ति के लिए कैलाश पर्वत पहुंचा। वहां नंदी ने उसे रोक दिया। रावण अहंकारवश क्रोधित हो उठा। उस समय भगवान शिव समाधि में लीन थे। अपनी शक्ति और सामर्थ्य के मद में रावण ने कैलाश पर्वत को उठाकर लंका ले जाने का प्रयास किया। उसके प्रयास से कैलाश डोलने लगा तो माता पार्वती चिंतित हुईं। तब भगवान शिव

ने रावण के अहंकार को शांत करने के लिए अपने पैर का अंगूठा कैलाश पर रखा, जिससे रावण पर्वत के नीचे दब गया।

अग्रवाल ने कहा कि संकट की उस घड़ी में रावण को अपनी भूल का एहसास हुआ। उसे समझ आया कि भगवान शिव को शक्ति के बल पर नहीं, बल्कि भक्ति, समर्पण और प्रेम से प्रसन्न किया जा सकता है। इसके बाद उसने भगवान शिव की स्तुति में शिव तांडव स्तोत्र की रचना की। उसकी भक्ति से प्रसन्न होकर महादेव ने उसे मुक्त किया।

उन्होंने कहा कि यह प्रसंग आज के जीवन के लिए भी महत्वपूर्ण संदेश देता है। किसी व्यक्ति को अहंकार, दबाव या शक्ति के बल पर नहीं जीता जा सकता। विवेक, प्रेम, विश्वास और विनम्रता ही दिलों को जीतने का मार्ग हैं। शक्ति का प्रदर्शन संबंधों में दूरी पैदा करता है, जबकि प्रेम और विश्वास व्यक्ति को अपनेपन से जोड़ते हैं।

कथा के दौरान बड़ी संख्या में दिव्यांगजन एवं उनके परिजनों ने शिव भक्ति और कथा का श्रवण किया। वातावरण शिवमय हो उठा और श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से कथा का आनंद लिया।

# अनधिकृत नो ड्यूज प्रमाण पत्र जारी कर बैंक को लगाया 12 लाख से अधिक का चूना, पूर्व बैंक अधिकारी को 7 वर्ष का कठोर कारावास

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

**जयपुर।** बैंकिंग प्रणाली में विश्वास को ठेस पहुंचाने वाले एक महत्वपूर्ण मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत, जयपुर ने ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स की शिवसिंहपुरा (लालसोट, दौसा) शाखा के तत्कालीन स्पेशल असिस्टेंट मुरारीलाल मीणा को बैंक धोखाधड़ी का दोषी ठहराते हुए 7 वर्ष के कठोर कारावास तथा 1.25 लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। अदालत ने यह फैसला 6 अगस्त 2026 को सुनाया।

सीबीआई के अनुसार, आरोपी ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए बैंक के निर्धारित नियमों की अनदेखी कर अनधिकृत रूप से नो ड्यूज प्रमाण पत्र जारी किए। इसके कारण ऋण की पूरी राशि जमा नहीं होने के बावजूद बैंक के पास गिरवी रखी गई संपत्तियों को मुक्त कर दिया गया, जिससे बैंक को 12 लाख 14 हजार 660 रुपये 71 पैसे का वित्तीय नुकसान उठाना पड़ा।

**बैंक की शिकायत पर दर्ज हुआ था मामला**

मामले का खुलासा होने पर 1 फरवरी 2019 को ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स की शिकायत के आधार पर सीबीआई ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान दस्तावेजों एवं बैंक अभिलेखों के परीक्षण में आरोपी की भूमिका सामने आई। सीबीआई ने पाया कि आरोपी ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर अनधिकृत कार्रवाई की, जिससे बैंक के तीन अलग-अलग ऋण खातों में भारी वित्तीय क्षति हुई।

**जांच के बाद अदालत में पेश किया गया आरोप पत्र**

सीबीआई ने विस्तृत जांच पूरी करने के बाद 30 सितंबर 2019 को आरोपी के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। इसके बाद 12 अक्टूबर 2022 को विशेष अदालत ने आरोपी के खिलाफ आरोप तय किए और गवाहों, दस्तावेजी साक्ष्यों तथा अन्य प्रमाणों के आधार पर सुनवाई पूरी की।

**अदालत ने माना दोषी, सुनाई कठोर सजा**

सुनवाई पूरी होने के बाद विशेष सीबीआई अदालत ने आरोपी मुरारीलाल मीणा को बैंक धोखाधड़ी एवं पद के दुरुपयोग का दोषी करार देते हुए 7 वर्ष के कठोर कारावास और 1.25 लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई। यह फैसला बैंकिंग संस्थानों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

# शारीरिक शिक्षकों की जिला स्तरीय संगोष्ठी शुरू, खेलों में नवाचार अपनाने पर जोर

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

**उदयपुर।** राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मांगथला में शुक्रवार से माध्यमिक द्वितीय के अंतर्गत आने वाले आठ ब्लॉकों के शारीरिक शिक्षकों की दो दिवसीय जिला स्तरीय सत्रारंभ वाक्पीठ संगोष्ठी शुरू हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी दीपक गौड़ ने कहा कि शारीरिक शिक्षक अपने दायित्वों का पूर्ण समर्पण के साथ निर्वहन करें तथा खेल मैदान पर नवाचारों को लागू कर विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारें। उन्होंने प्रतियोगिताओं के दौरान अनुशासन एवं पारदर्शिता बनाए रखने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप जिला शिक्षा अधिकारी (शारीरिक शिक्षा) लक्ष्मण दास वैष्णव ने की। उन्होंने बताया कि संगोष्ठी में मावली, वल्लभनगर, खेमली, भींडर, बड़गांव, गिर्वा, कुराबड़ और उदयपुर शहर ब्लॉक के राजकीय एवं निजी विद्यालयों के शारीरिक शिक्षकों ने भाग लिया। जिला वाक्पीठ सचिव चंद्रशेखर मेनारिया ने बताया कि पहले दिन डॉ. नरेश पालीवाल ने वॉलीबॉल, नरपत सिंह ने सॉफ्टबॉल तथा बलवीर सिंह राठौड़ ने विभिन्न खेलों की टीमों के ऑनलाइन पंजीकरण एवं नियमों में हुए बदलाव की जानकारी दी। संगोष्ठी में शाला दर्पण के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया, खिलाड़ियों के आवेदन संबंधी आवश्यक प्रावधान तथा विद्यालयी प्रतियोगिताओं में लागू नवीन नियमों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। वॉलीबॉल के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय नियमों में हुए बदलाव तथा लिब्रो खिलाड़ी की भूमिका पर भी शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी देशपाल सिंह शेखावत, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रिपुदमन उज्जवल, राजस्थान शारीरिक शिक्षक संघ के प्रदेश महामंत्री भैरू सिंह राठौड़ सहित विभिन्न शिक्षा एवं खेल संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। स्थानीय विद्यालय की छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं।

### आबकारी विभाग की कार्रवाई, अवैध शराब जब्त, हजारों लीटर वॉश नष्ट

**उदयपुर@पदमावत मीडिया।** आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देश पर प्रदेशभर में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री के खिलाफ अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान विभिन्न जिलों में अवैध शराब जब्त कर हजारों लीटर वॉश तथा अवैध भट्टियां नष्ट की गईं। जयपुर में गांधीनगर रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ के साथ संयुक्त कार्रवाई में हरियाणा बिक्री की 47 बोतल अवैध शराब जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। बांसवाड़ा में 2 हजार लीटर वॉश, 3 भट्टियां और 55 बोतल महुआ शराब नष्ट की गई। वहीं बूंदी जिले में 1 हजार लीटर वॉश, एक भट्टी और 10 बोतल अवैध हथकड़ शराब जब्त की गई। प्रदेशभर में आबकारी विभाग की कार्रवाई लगातार जारी है।

### ध्यानात्मक सूर्य नमस्कार साधना शिविर आज

**उदयपुर@पदमावत मीडिया।** स्वास्थ्य सेतु के तत्वावधान में शनिवार, 8 अगस्त को सेक्टर-14 स्थित स्वास्थ्य सेतु परिवार परिसर में प्रातः 6 से 7 बजे तक ध्यानात्मक सूर्य नमस्कार साधना शिविर आयोजित होगा। शिविर में वैदिक मंत्रों के साथ सूर्य नमस्कार एवं योगाभ्यास कराया जाएगा। योगाचार्य पूरण सिंह राठौड़ के नेतृत्व में आयोजित इस सत्र में योग प्रशिक्षक मनोहर सिंह राठौड़ एवं सरला जोशी भी मार्गदर्शन देंगे। आयोजकों ने अधिक से अधिक योग साधकों से शिविर में भाग लेने की अपील की है।

### शिल्पग्राम में आज से शुरू होगा दो दिवसीय 'मल्हार' समारोह

**उदयपुर@पदमावत मीडिया।** पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र की ओर से 8 व 9 अगस्त को शिल्पग्राम के दर्पण सभागार में दो दिवसीय शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य समारोह 'मल्हार' आयोजित होगा। प्रतिदिन शाम 7 बजे शुरू होने वाले समारोह में देश के ख्यातिप्राप्त कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। पहले दिन गौरी पाठारे का हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन और हेतल मेहता का तबला वादन होगा। दूसरे दिन विनायक चित्तर सितार वादन तथा पल्लवी कृष्णन मोहिनीअट्टम की प्रस्तुति देंगी। समारोह में प्रवेश सभी के लिए निःशुल्क रहेगा।

# महिला सुरक्षा संकल्प अभियान के तहत बालोतरा पुलिस का जागरूकता कार्यक्रम

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

**बालोतरा।** राजस्थान पुलिस के 'महिला सुरक्षा संकल्प' अभियान के तहत बालोतरा जिले में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक (सिविल राइट्स एंड एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग) वल्ली कटियार ने कल्याणपुर थाना पहुंचकर महिलाओं एवं बालिकाओं से संवाद किया तथा उन्हें महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को पॉक्सो अधिनियम, राजकॉप सिटीजन एप, शी-बॉक्स, वन स्टॉप क्राइसिस सेंटर, महिला बीट अधिकारी, कालिका पेट्रोलिंग यूनिट तथा विभिन्न महिला एवं आपातकालीन हेल्पलाइन की जानकारी दी गई। साथ ही आत्मरक्षा का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया और महिलाओं के मोबाइल फोन में राजकॉप सिटीजन एप डाउनलोड करवाकर उसके उपयोग की जानकारी दी गई।

संवाद कार्यक्रम में महिलाओं और बालिकाओं ने शिक्षा, महिला सुरक्षा, पुलिस सेवाओं तथा कानून से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका पुलिस महानिरीक्षक ने सरल और प्रेरणादायक तरीके से समाधान करते हुए उनका आत्मविश्वास बढ़ाया।

# चरखी दादरी फायरिंग मामले का आरोपी रोहित उर्फ कातिया पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

**चंडीगढ़।** चरखी दादरी में 6 अगस्त को हुई सनसनीखेज फायरिंग की घटना में शामिल आरोपी रोहित उर्फ कातिया को एसटीएफ रोहतक एवं चरखी दादरी पुलिस ने संयुक्त अभियान के दौरान पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए भागने का प्रयास कर रहा था। जवाबी कार्रवाई में उसके दाहिने पैर में गोली लगी, जिसके बाद पुलिस ने उसे काबू कर लिया। आरोपी के कब्जे से एक अवैध पिस्तौल भी बरामद की गई है।

पुलिस के अनुसार, चरखी दादरी फायरिंग मामले में आरोपियों की तलाश के लिए संयुक्त अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान सूचना मिली कि आरोपी सफेद रंग की मारुति फ्रॉन्क्स कार (रजिस्ट्रेशन नंबर HR19U-6405) में सवार होकर गांव बौंद की ओर आ रहा है। सूचना के आधार पर बौंद-कलानौर रोड पर नाकाबंदी की गई। पुलिस टीम को देखकर आरोपी ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद हुई मुठभेड़ में उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान रोहित उर्फ कातिया, पुत्र मुकेश, निवासी गांव माजरा (दुबलधन), जिला झज्जर के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, स्नैचिंग, मारपीट और आर्म्स एक्ट सहित कुल छह आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर फायरिंग की घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

घायल आरोपी को प्राथमिक उपचार के लिए सरकारी अस्पताल भर्ती करवाया गया है। सीन ऑफ क्राइम टीम तथा एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया, ताकि घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्रित किए जा सकें।

## खबर संक्षिप्त

### ब्रिक्स देशों का प्रतिनिधिमंडल उदयपुर पहुंचा, आज होगा सम्मेलन

**उदयपुर@पदमावत मीडिया।** भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के तत्वावधान में शनिवार को ताज फतेह प्रकाश पैलेस में आयोजित होने वाले ब्रिक्स देशों के हेड्स एंड सीनियर ऑफिशियल्स ऑफ कॉम्पिटिशन अथॉरिटीज सम्मेलन में भाग लेने के लिए विभिन्न सदस्य देशों का प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को उदयपुर पहुंचा।

महाराणा प्रताप एयरपोर्ट पर प्रतिनिधिमंडल का पारंपरिक राजस्थानी शैली में स्वागत किया गया। पर्यटन उपनिदेशक शिखा सक्सेना सहित अधिकारियों ने अतिथियों का अभिनंदन किया। प्रतिनिधिमंडल में इंडोनेशिया, इथियोपिया, दक्षिण अफ्रीका, रूस सहित विभिन्न ब्रिक्स सदस्य एवं सहभागी देशों के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल हैं। सम्मेलन में प्रतिस्पर्धा कानून, निष्पक्ष बाजार व्यवस्था, वैश्विक सहयोग एवं समकालीन आर्थिक चुनौतियों पर मंथन होगा।

### टाइम बैंक ऑफ इंडिया उदयपुर ने मनाया नौवां स्थापना दिवस

**उदयपुर@पदमावत मीडिया।** टाइम बैंक ऑफ इंडिया, उदयपुर इकाई ने गुरुवार को निजी रिसोर्ट में नौवां स्थापना दिवस एवं सावन उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत गणपति वंदना एवं ईश वंदना से हुई। एम.के. माथुर ने स्वागत करते हुए संस्थान की गतिविधियों की जानकारी दी, जबकि ए.के. गुप्ता ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। के.के. शर्मा ने सदस्यों को हेल्प रिक्वेस्ट प्रणाली की जानकारी दी।

कार्यक्रम में वरिष्ठ सदस्य दुर्गाशंकर नागदा का सम्मान किया गया। साथ ही नए सदस्यों, विभिन्न उपसमूहों के एडमिन तथा समय सेवा देने वाले सदस्यों का भी अभिनंदन किया गया। अध्यक्ष डी.पी. धाकड़ ने सेवा कार्यों से अधिकाधिक लोगों को जोड़ने का आह्वान करते हुए हार्ट किट अभियान, हृदय रक्षा मुहिम, पौधरोपण एवं सीड बॉल अभियान की जानकारी दी। स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, सावन उत्सव, हाऊजी-तम्बोला तथा सामूहिक भोज का आयोजन भी हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सदस्यों ने भाग लिया। अंत में आभार प्रदर्शन के साथ राष्ट्रगान के जरिए समारोह का समापन हुआ।

### लग्जरी व स्लीपर बसों का संयुक्त निरीक्षण, सुरक्षा मानकों की जांच

**राजसमंद@पदमावत मीडिया।** जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं परिवहन विभाग ने भीलवाड़ा बाईपास पर संयुक्त अभियान चलाकर लग्जरी एवं स्लीपर बसों का निरीक्षण किया। इस दौरान एआईएस-119, मोटर वाहन अधिनियम-1988 एवं एसओपी-2024 के तहत सुरक्षा मानकों की जांच की गई। निरीक्षण में बसों की फिटनेस, स्लीपर मानक, अग्निशमन यंत्र, इमरजेंसी एग्जिट, हैमर, सीट क्षमता, चालक के लाइसेंस सहित अन्य दस्तावेजों की जांच की गई। अधिकारियों ने बताया कि गंभीर तकनीकी खामी या अवैध मॉडिफिकेशन मिलने पर चालान और वाहन सीज की कार्रवाई की जाएगी। यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

### नशा मुक्त भारत के लिए युवाओं को आगे आने का आह्वान : राज्यपाल

**बांसवाड़ा@पदमावत मीडिया।** गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'नशा मुक्त वागड़, स्वस्थ युवा, सशक्त जनजाति एवं विकसित भारत' में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने नशा मुक्त भारत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहने, नशा तस्करों की सूचना पुलिस को देने तथा समाज में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। साथ ही टीबी मुक्त भारत अभियान में भी आमजन से सहयोग करने की अपील की। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा ही गरीबी दूर करने का सबसे प्रभावी माध्यम है और विश्वविद्यालयों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों का भी विकास करना चाहिए। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में गोविंद गुरु के योगदान का स्मरण करते हुए विश्वविद्यालय परिसर में खेजड़ी का पौधा भी लगाया।

### विद्यार्थियों को नशामुक्त जीवन और सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

**राजसमंद@पदमावत मीडिया।** जिला प्रशासन, पुलिस और शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में नाथद्वारा के एक निजी विद्यालय में कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल ने ऑपरेशन त्रिनेत्र, ऑपरेशन लक्ष्मण रेखा और "यस टू लाइफ, नो टू ड्रग्स" अभियान की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने, कानून का पालन करने और जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया। अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र सिंह चारण ने विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों और अनुशासित जीवन अपनाने का संदेश दिया तथा ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

# ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत प्रतापगढ़ पुलिस का बड़ा प्रहार, कुख्यात हिस्ट्रीशीटर का अवैध फार्म हाउस बुलडोजर से ध्वस्त

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

**प्रतापगढ़।** राजस्थान पुलिस द्वारा संगठित अपराधियों और उनकी अवैध संपत्तियों के विरुद्ध चलाए जा रहे ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत प्रतापगढ़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात हिस्ट्रीशीटर लालसिंह राजपूत के सरकारी भूमि पर बने अवैध फार्म हाउस को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के दौरान सरकारी चारागाह भूमि से अतिक्रमण हटाकर अपराधियों को कड़ा संदेश दिया गया कि कानून के विरुद्ध अर्जित संपत्तियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

**सरकारी चारागाह भूमि पर बना रखा था अवैध फार्म हाउस**

पुलिस अधीक्षक विशाल जांगिड़ ने बताया कि महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार जिले में संगठित अपराध, मादक पदार्थ तस्करी और गंभीर आपराधिक गतिविधियों में लिप्त अपराधियों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयदेव सियाग एवं पुलिस उप अधीक्षक चंद्रोखर पालीवाल के निर्देशन तथा अरनोद थानाधिकारी शिवलाल मीणा के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

जांच में सामने आया कि हिस्ट्रीशीटर लालसिंह पुत्र रूपसिंह राजपूत निवासी रीछा ने नौगावां से पडुनी जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित सरकारी चरनोट (चारागाह) भूमि पर अवैध रूप से पक्का फार्म हाउस बनाकर कब्जा कर रखा था। पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर तहसीलदार अरनोद ने अतिक्रमण हटाने के आदेश जारी किए।

**तीन राज्यों में दर्ज हैं गंभीर अपराध**

पुलिस के अनुसार हिस्ट्रीशीटर लालसिंह राजपूत के विरुद्ध राजस्थान, हरियाणा और मध्यप्रदेश में 16 से अधिक आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इनमें जानलेवा हमला, मादक पदार्थ तस्करी, अवैध हथियार रखना, मारपीट, अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के प्रकरण तथा राजकार्य में बाधा जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। आरोपी हाल ही में मादक पदार्थ तस्करी के एक मामले में मंदसौर जेल से जमानत पर रिहा हुआ था।

**प्रशासन और पुलिस की मौजूदगी में हुई कार्रवाई**

शुक्रवार को तहसीलदार अरनोद की उपस्थिति में पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर बुलडोजर की सहायता से अवैध फार्म हाउस को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अरनोद थाना पुलिस के साथ कोटड़ी, सालमगढ़, धमोतर, हथुनिया, रंठाजना तथा महिला थाना प्रतापगढ़ का पुलिस जाप्ता भी तैनात रहा।

**अवैध संपत्तियों के खिलाफ अभियान रहेगा जारी**

पुलिस अधीक्षक विशाल जांगिड़ ने स्पष्ट किया कि जिले में मादक पदार्थ तस्करों, संगठित अपराधियों एवं आदतन अपराधियों द्वारा अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध नियमानुसार कुर्की एवं ध्वस्तीकरण की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि अपराधियों के आर्थिक तंत्र को कमजोर करना ही इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है, ताकि जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके।

# मिशन सशक्ति के तहत बालिकाएं करेंगी पुलिस थानों का शैक्षणिक भ्रमण

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

**प्रतापगढ़।** जिला कलेक्टर शुभम चौधरी की पहल पर बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत मिशन सशक्ति शुरू किया गया है। इसके तहत जिले की राजकीय विद्यालयों में कक्षा 9वीं से 12वीं तक की छात्राओं को पुलिस थानों, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जिला कलेक्टर कार्यालय और वन स्टॉप सेंटर का शैक्षणिक भ्रमण कराया जा रहा है। इसका उद्देश्य बालिकाओं को पुलिस व्यवस्था, प्रशासनिक कार्यप्रणाली, कानूनी अधिकारों और सुरक्षा तंत्र की जानकारी देकर उन्हें आत्मनिर्भर एवं जागरूक बनाना है।

अभियान के तहत प्रतापगढ़, छोटीसादड़ी, अरनोद, पीपलखूंट और धरियावद सहित सभी पुलिस सर्किलों में छात्राओं ने पुलिस थानों का भ्रमण किया। उन्हें शिकायत दर्ज करने से लेकर जांच और निस्तारण तक की पूरी प्रक्रिया, महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र, साइबर सेल, अभय कमांड सेंटर और अन्य शाखाओं की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। साथ ही जिला कलेक्टर कार्यालय और वन स्टॉप सेंटर का भ्रमण कर प्रशासनिक व्यवस्था एवं महिलाओं को उपलब्ध कानूनी सहायता और सुरक्षा सेवाओं की जानकारी दी गई।

जिला प्रशासन का मानना है कि मिशन सशक्ति से बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ेगा, पुलिस और प्रशासन के प्रति झिझक दूर होगी तथा वे आवश्यकता पड़ने पर बिना किसी भय के अपने अधिकारों का उपयोग कर सहायता प्राप्त कर सकेंगी।

## आरयूआईडीपी के विकास कार्यों पर संवाद, जनप्रतिनिधियों ने दिए सुझाव

**जयपुर@पदमावत मीडिया।** राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना (आरयूआईडीपी) के पांचवें चरण के तहत जोबनेर नगर में प्रस्तावित करीब 2.06 करोड़ रुपये के विकास कार्यों को लेकर अंबेडकर भवन में संवाद एवं परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपखंड अधिकारी नेहा राठी ने की।

कार्यक्रम में आरयूआईडीपी अधिकारियों ने ड्रेनेज एवं बाढ़ प्रबंधन, कमांड एवं कंट्रोल सेंटर, पर्यटन विकास तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़े प्रस्तावित कार्यों की जानकारी दी। उपखंड अधिकारी ने कहा कि विकास कार्यों में स्थानीय आवश्यकताओं और जनसुझावों को प्राथमिकता दी जाए तथा विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखा जाए।

संवाद के दौरान जनप्रतिनिधियों, पूर्व पार्षदों, प्रबुद्धजनों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने विकास कार्यों को लेकर अपने सुझाव दिए। आरयूआईडीपी अधिकारियों ने प्राप्त सुझावों पर विचार कर उन्हें परियोजना में शामिल करने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में नगर पालिका आयुक्त हिमांशु सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं अन्य हितधारक मौजूद रहे।

# दादरी फायरिंग कांड का मुख्य साजिशकर्ता मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

**चरखी दादरी।** बीकानेर मिष्ठान भंडार के पास हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने 24 घंटे के भीतर मुख्य साजिशकर्ता को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पैर में गोली लगी, जबकि उसके कब्जे से एक अवैध पिस्तौल बरामद की गई। मामले में दो अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के अनुसार 6 अगस्त को स्कॉर्पियो सवार सात युवकों पर तीन बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग की थी, जिसमें सभी घायल हो गए थे। घटना के बाद पुलिस अधीक्षक लोगेश कुमार पी के निर्देश पर छह विशेष टीमों का गठन किया गया। जांच के दौरान बौंद-कलानौर लिंक रोड पर नाकाबंदी के समय संदिग्ध कार को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी और उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान रोहित उर्फ कातिया निवासी झज्जर के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में उसने वारदात की साजिश में शामिल होने की बात स्वीकार की है। पुलिस के अनुसार उसके खिलाफ हत्या, लूट और मारपीट सहित कई गंभीर मामले दर्ज हैं। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया तथा घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य भी जुटाए गए।

जांच के दौरान पुलिस ने दो अन्य आरोपियों प्रीत निवासी साहुवास और युदबिंदर निवासी चरखी दादरी को भी गिरफ्तार किया है। दोनों से पूछताछ कर फरार आरोपियों और वारदात की साजिश से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने बताया कि मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और पूरे आपराधिक नेटवर्क की गहन जांच की जा रही है।

## मध्यप्रदेश में 'सृजन संवाद' अभियान शुरू, विद्यार्थियों को मिलेगी कानून व पुलिस व्यवस्था की जानकारी

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

**भोपाल।** मध्यप्रदेश में पुलिस, स्कूल शिक्षा विभाग और यूएनएफपीए के संयुक्त तत्वावधान में 'सृजन संवाद' अभियान शुरू किया गया है। इस सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रम के तहत कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को कानून, पुलिस व्यवस्था, साइबर सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़ी जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम प्रत्येक शनिवार को आयोजित होगा। अभियान के पहले चरण की शुरुआत 5 अगस्त से 18 जिलों में की गई है, जबकि शेष जिलों में 6 अगस्त से कार्यक्रम शुरू हो गया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को नागरिक अधिकार, कर्तव्य, पुलिस की भूमिका, साइबर अपराध, महिला एवं बाल सुरक्षा सहित विभिन्न विषयों पर जानकारी दी जाएगी। साथ ही थाना भ्रमण के माध्यम से पुलिस की कार्यप्रणाली और डायल-112 जैसी सेवाओं से भी परिचित कराया जाएगा। पुलिस अधिकारियों और शिक्षकों द्वारा संयुक्त रूप से संचालित इस अभियान का उद्देश्य युवाओं में कानून के प्रति सम्मान, अनुशासन, सामाजिक संवेदनशीलता और जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना विकसित करना है।

## राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर मुख्यमंत्री ने दिया 'वोकल फॉर लोकल' का संदेश

### हथकरघा उत्पाद खरीदकर स्थानीय कारीगरों और बुनकरों को प्रोत्साहन देने की अपील

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

**जयपुर।** राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' आह्वान को आगे बढ़ाते हुए जयपुर स्थित हैंडलूम स्टोर पहुंचकर विभिन्न हथकरघा उत्पादों की खरीदारी की। इस दौरान उन्होंने प्रदेशवासियों से स्थानीय उत्पादों को अपनाकर बुनकरों और कारीगरों के परिश्रम का सम्मान करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हथकरघा उद्योग लाखों परिवारों की आजीविका का आधार है। राजस्थान के विभिन्न जिलों में तैयार होने वाले हस्तकरघा उत्पाद अपनी गुणवत्ता और विशिष्ट पहचान के कारण देश-विदेश में प्रसिद्ध हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना केवल खरीदारी नहीं, बल्कि प्रदेश के कारीगरों और बुनकरों के श्रम का सम्मान भी है।

उन्होंने प्रदेशवासियों से अपने दैनिक जीवन में 'वोकल फॉर लोकल' की भावना को अपनाते हुए स्थानीय उत्पादों की खरीद को प्राथमिकता देने की अपील की। इससे छोटे कारीगरों और दुकानदारों को आर्थिक मजबूती मिलेगी तथा प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट' और 'पंच गौरव' कार्यक्रमों के माध्यम से प्रत्येक जिले के विशिष्ट उत्पादों को प्रोत्साहित कर रही है। इन योजनाओं से स्थानीय संस्कृति, कला और जिले की अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिल रही है।

## बस ऑपरेटरों को साइबर अपराधों से बचाव की दी जानकारी

**राजसमंद@पदमावत मीडिया।** साइबर अपराधों की रोकथाम और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजसमंद पुलिस ने बस ऑपरेटर सोसायटी, राजस्थान के सहयोग से साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम जिला पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दुर्गाप्रसाद दाधीच एवं साइबर थाना पुलिस के नेतृत्व में हुआ। कार्यक्रम में साइबर विशेषज्ञ खैरूल वसीम ने डिजिटल अरेस्ट, फर्जी कॉल, ओटीपी और यूपीआई फ्रॉड, सोशल मीडिया हैकिंग, फर्जी निवेश योजनाओं, संदिग्ध लिंक तथा एआई आधारित साइबर ठगी जैसे मामलों की जानकारी देते हुए इनसे बचाव के व्यावहारिक उपाय बताए। उन्होंने कहा कि बस चालक, परिचालक और ऑपरेटर प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों के संपर्क में रहते हैं, इसलिए उनकी जागरूकता समाज में भी साइबर सुरक्षा का संदेश प्रभावी ढंग से पहुंचा सकती है। इस दौरान प्रतिभागियों को राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया की भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में बस ऑपरेटर सोसायटी के समन्वयक बाबू चौधरी ने पुलिस की पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम में राजस्थान के विभिन्न जिलों से आए बस ऑपरेटर सोसायटी के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, संस्थापक, प्रकाशक एवं प्रधान सम्पादक : पवन मॉगीलाल जैन उर्फ पवन जैन पदमावत, प्रधान कार्यालय : गणेश नगर, कांदिवली वेस्ट, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत-400067 से अमुद्रित ऑनलाईन प्रकाशित। मो. नं. : +91-9594542679
e-mail :- padmavatmedia@gmail.com / Web : padmavatmedia.in ( नोट : पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुम्बई, महाराष्ट्र होगा। उक्त ई-पेपर को अवैध रूप से छपवाना कानूनी अपराध हैं।